# वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com



सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818



वर्ष-1 अंक-333 सागवाड़ा,मंगलवार,23 अगस्त, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)


# बड़ा सवाल- जिसने 3 करोड़ 62 लाख में भूमि ख़रीदी क्या वही मूल ख़रीदार था या कोई पर्दे के पीछे भूमाफिया इस खेल को खेल रहा था?

➢ डूंगरपुर में एक ही चर्चा जिले में इतना बड़ा कौन जो फ़र्ज़ी आदेश से बेशक़ीमती भूमि को हड़पने का प्रयास कर रहा था

➢ पर्दे के पीछे छुपने असली चेहरे का नाम सामने आ पाएगा ?

सागवाड़ा से गुजर रहे नेशनल हाईवे 927 पर डूंगरपुर सागवाड़ा मार्ग पर मुख्य डाकघर के पास स्थित भूमि जिसका नामांतरण खोल रजिस्ट्री की गई थी।

## ज़मीन के मूल मालिक कडाणा विभाग ने भी चेताया था

**शासन उपसचिव राजस्व ( ग्रुप -6 ) विभाग राजस्थान सरकार जयपुर के पत्र की जानकारी मिलते ही विभाग ने 8 अगस्त को एक पत्र लिखकर पालना में की जान वाली समस्त कार्यवाही पर पुनर्विचार करने का निवेदन किया था ।**

➦ पत्र में बताया था कि कडाणा बांध के डूब क्षेत्र से प्रभावित हुए लोगों के पुनर्वास हेतु तहसील सागवाडा जिला डूंगरपुर में कुल 463.11 बीघा भूमि अवाप्त की गईथी जिसमें खसरा नं . 850 में 1 बीघा 15 डिल्ला खसरा नं . 852 में 2 बिस्वा , खसरा नं . 853 में 1 बीघा 5 बिस्वा एवं खसरा नं . 854 में बीघा 11 बिस्वा भुमि का 1975 में सिंचाई विभाग द्वारा मुआवजे का भुगतान कर कर लिया गया था।

➦ 2018 में जल संसाधन विभाग द्वारा अविशेष भूमि नगरपालिका सागवाडा को देने के लिए राज्य सरकार की स्वीकृती जारी की गई थी किन्तु यह प्रक्रिया राजस्व विभाग एवं जिला कलेक्टर के स्तर पर प्रक्रियाधिन रहीं ।

➦ अधिशेष भूमि को CM budget announcement 2022-23 के अनुसार नगरपालिका सागवाडा को नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है ।

➦ न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सागवाडा के प्रकरण संख्या 113/ 97 के निर्णय दिनांक 27.08.1999 एवं न्यायालय अपील अधिकारी डूंगरपुर के प्रकरण संख्या 51/ 99 के निर्णय दिनांक 26.04.2004 को राजस्व मण्डल अजमेर में अपील डिकी सं . 124 / 2000 निर्णय दिनांक 07.02.2006 द्वारा निरस्त कर दिया । तत्पश्चात् श्रीमति फातिमा एवं नजमा पुत्री उमर: खां द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर में S.B. Civil Writ No. 2097/2006 वाद प्रस्तुत किया गया जिसे माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 15.11.2018 को दिये गये निर्णय में उक्त भुमि जल संसाधन विभाग के नाम एवं कब्जे में उताकर निरस्त कर दिया गया ।

➦ विन्दु संख्या 1 में वर्णित खसरों के खातेदार अब्बास की मृत्यु उपरान्त उनकी संपत्ति के पत्नी एवं 5 बेटे सहित 6 वारिस थे। उनके एक पुत्र उमर खां के हिस्से में आने वाली भुमि उनकी पत्नी एवं दो बेटिया नजमा एवं फातिमा में बराबर हिस्सो में बटनी थी ।

इससे यह स्पष्ट होता है कि ग्राम मडकोला के खसरा नं . 850 , 852, 853, 854 की भूमि के एक मात्र बारिस नजमा एवं फातिमा नहीं हैं ।

➦ शासन उपसचिव , राजस्व ( ग्रुप -6 ) विभाग, राजस्थान सरकार , जयपुर के पत्रांक प . 118) राज -6 / 2019 दिनांक 16.06.2022 ( प्रति संलग्न ) के द्वारा निम्न बिंदुओं को ध्यान में नहीं रखते हुए स्वीकृती दी गई हैं, जो कि विधिक रूप से उचित नहीं हैं ।

स्पष्ट होता है कि कडाणा विभाग चाह रहा था कि उक्त भूमिका न ही नामांतरण खोला जाएं और न ही रजिस्ट्री की जाए क्योंकि यह भूमि कडाणा विभाग की है। इसके बाद भी इस पूरे मामले को नज़र अंदाज़ करते हुए उक्त भूमि का नामांतरण खोल रजिस्ट्री की गई।

**सागवाडा।** सागवाडा में कडाणा विभाग की भूमि के नामांतरण और रजिस्ट्री प्रकरण में सागवाडा तहसीलदार, गिरदावर और पटवारी के निलंबन की कार्रवाई को लेकर राजस्व विभाग के कार्मिकों ने विरोध प्रदर्शन किया। इधर,दूसरी ओर कांग्रेस के निवर्तमान जिलाध्यक्ष दिनेश खोडनिया ने राजस्व मंत्री से मुलाक़ात कर निलंबन की कार्रवाई को निरस्त करने की माँग की है। वही इस पूरे मामले में पुलिस और प्रशासन की ओर से जांच की जा रही है। इधर, सांसद कनकमल कटारा ने भी इस पूरे प्रकरण में संशय ज़ाहिर करते हुए इसकी उच्चस्तरीय जाँच की माँग करते हुए कहा है कि इस पूरे घटना क्रम की सच्चाई सागवाडा की जनता के सामने आनी चाहिए।

कडाणा विभाग की विवादित भूमि की रजिस्ट्री तीन करोड़ 62 लाख रुपये में हुई थी इस भूमि का बाज़ार मूल्य 30 करोड़ के आस पास का बताया जा रहा है। अब जाँच का विषय यह है कि जिस व्यक्ति ने उक्त भूमि को ख़रीदा है क्या वही मूल ख़रीदार था या कोई पर्दे के पीछे और ही भूमाफिया इस खेल को खेल रहा था? चूँकि इस पूरे घटनाक्रम में जो फ़र्ज़ी आदेश का मामला सामने आया है उससे लग रहा है कि ज़मीन ख़रीद में कोई बड़ा खेल होने जा रहा था।

कडाणा विभाग की भूमि की रजिस्ट्री का मामला ज़िले में चर्चा का विषय बना हुआ है। डूंगरपुर ज़िले में हर कोई ये जानना चा रहा है कि इस बड़े खेल के पीछे था कौन।

अब जिला प्रशासन के सामने भी यह बड़ी चुनौती है कि इस मामले में बड़े भू माफ़ियाओं का खुलासा हो पाता है या नहीं। इधर, दूसरी ओर यह भी चर्चा है कि निलंबन कर इस मामले को दबाया जाएगा। इस पूरे मामले में ज़मीन के मूल मालिक कडाणा विभाग की ओर से अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है जबकि कडाणा विभाग को भी एक्शन लेना चाहिए था।

# SBP कॉलेज में अध्यक्ष पद पर 5 उम्मीदवारों में टक्कर

## अन्य तीनों पदों पर भी 4-4 प्रत्याशियों में मुकाबला, फाइनल लिस्ट जारी

**डूंगरपुर।** छात्रसंघ चुनावो में नाम वापसी के बाद उम्मीदवारों की तस्वीर साफ हो गई है। जिले के सबसे बड़े एसबीपी और वीकेबी गर्ल्स कॉलेज में अध्यक्ष पद के लिए 5-5 उम्मीदवारों के बीच कड़ा मुकाबला होगा। इसके अलावा उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव पद के लिए भी 4-4 उम्मीदवार मैदान में है। छात्रसंघ चुनावों में मंगलवार को नाम वापसी के बाद शाम 5 बजे अंतिम उम्मीदवारों की लिस्ट कॉलेज के बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है। छात्रसंघ चुनाव के तय कार्यक्रम के अनुसार 26 अगस्त को मतदान होगा और 27 अगस्त को मतगणना के बाद रिजल्ट घोषित होगा। शहर के सबसे बड़े एसबीपी कॉलेज में 5 हजार 23 स्टूडेंट वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनेंगे। एसबीपी कॉलेज के चुनाव प्रभारी डॉ. नारायणलाल गुप्ता ने बताया कि नाम वापसी के बाद अध्यक्ष पद के लिए 5, उपाध्यक्ष, महासचिव और संयुक्त सचिव पद के लिए 4-4 उम्मीदवार बचे हैं। इसी तरह वीकेबी गर्ल्स कॉलेज में भी अध्यक्ष पद के लिए 5 और दूसरे तीनों पदों के लिए 4-4 उम्मीदवारों के बीच टक्कर है।

### एसबीपी कॉलेज (श्रीभोगीलाल पंड्या राजकीय महाविद्यालय) में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी

**1. अध्यक्ष पद**
एबीवीपी- गणेश कटारा
एनएसयूआई- पोपटलाल डामोर
बीपीवीएम- तुषार परमार
एसएफआई- फाल्गुन भराड़ा
निर्दलीय- बदामीलाल अहारी

**2. उपाध्यक्ष पद**
एबीवीपी-धनपाल अहारी
एनएसयूआई-सुभाष कटारा
बीपीवीएम- केसर कुमारी परमार
एसएफआई- कपिल कटारा

**3. महासचिव पद**
एबीवीपी-भावेश डामोर
एनएसयूआई-जीवालाल पांडोर
बीपीवीएम- निलेश रोत
एसएफआई- हिमांशु अहारी

**4. संयुक्त सचिव पद**
एबीवीपी-सोनिया डामोर
एनएसयूआई- लोकेश माल
बीपीवीएम- सुनील रोत
एसएफआई-रेखा कलासुआ

### वीकेबी (वीरबाला काली बाई) गर्ल्स कॉलेज में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी

**1. अध्यक्ष पद**
एबीवीपी-जया कटारा
एनएसयूआई- शिल्पा कुमारी कलासुआ
बीपीवीएम-मीनाक्षी कलासुआ
एसएफआई- चंचल मीणा
निर्दलीय- आशा कुमारी मीणा

**2. उपाध्यक्ष पद**
एबीवीपी- भाविका खराड़ी
एनएसयूआई-रविना हडात
बीपीवीएम- पायल डामोर
एसएफआईं- सीमा आसोड़ा

**3. महासचिव पद**
एबीवीपी- माया भगोरा
एनएसयूआई- कांता कटारा
बीपीवीएम- मनीषा अहारी
एसएफआई- मीनाक्षी मीणा

**4. संयुक्त सचिव पद**
एबीवीपी- ज्योति बरंडा
एनएसयूआई-अमीषा कुमारी रोत
बीपीवीएम- राजेश्वरी डामोर
एसएफआईं- पायल कटारा

## तनाव में आकर छात्रा ने किया सुसाइड

**डूंगरपुर।**

डूंगरपुर के सदर थाना क्षेत्र के भीलवटा गांव में 9वीं क्लास की छात्रा ने फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सदर सीआई भवानी सिंह ने बताया कि नारायण कोटेड निवासी भीलवटा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बेटी खुशी कोटेड (14) 9वीं कक्षा में पढ़ाई करती थी।

सोमवार को वह काम से डूंगरपुर शहर गया था। दोपहर के समय वापस घर लौटा तो उसकी बेटी एक पेड़ से फंदे से लटकी हुई थी। घटना की सूचना पर गांव के लोग इकट्ठा हो गए। वहीं सूचना मिलने पर सदर थाने से मोहनपाल सिंह मौके पर पहुंचे। शव को फंदे से नीचे उतारा और डूंगरपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पिता नारायलाल ने बताया कि स्कूल में पढ़ने वाला एक छात्र उसे परेशान करता था। छात्र वीडियो वायरल करने की धमकियां देता था, जिससे तनाव में आकर उसने सुसाइड कर लिया। मामले में पुलिस ने मृतक लड़की का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ही सभी समस्या का समाधान- विजयानंद

**बांसवाडा।** गांगड़तलाई के विद्या निकेतन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन और अतिथि परिचय के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। संघ के प्रांत प्रचारक विजयानन्द ने अतीत से लेकर वर्तमान तक के भारत की चर्चा करते हुए संघ स्थापना ओर संघ के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संघ की स्थापना का उद्देश्य सनातन भारतीय हिन्दू संस्कृति व जीवन मूल्यों को संरक्षित, प्रसारित करना है।

प्रान्त प्रचारक ने भारतीय संस्कृति को विकृत रूप के प्रस्तुत करने को सोंची समझी साजिश का हिस्सा बताया। अंग्रेजो ने फूट डालो और राज करो की कूटनीति को अपनाते हुए अपने शासनकाल के 200 वर्षो में हर स्तर से हिंदू संस्कृति को दूषित, खंडित करने का प्रयास किया। दुर्भाग्य से यह सिलसिला आजादी के बाद भी यथावत रहा जिसका प्रमुख कारण भारतीय संस्कृति के प्रति घृणा का भाव रखने वाली

वामपंथी सोच थी। आजादी के बाद देश विरोधियों ने तत्कालीन सरकारी के वरदहस्त प्राप्त होने से शिक्षा जगत को अपने चुंगल के कस लिया।

पाठ्य पुस्तको को हिंदुत्व के विरुद्ध छद्म युद्ध का साधन बना सनातन संस्कृति को विकृत कर के आजाद भारत में पढ़ाया गया। इतिहास की पुस्तकों को हथियार बना हमारी पवित्र संस्कृति को विकृत रूप में परोस दिया गया।

यह स्पष्ट मत है कि जहा हिंदू घटा वहा देश बटा। कलयुग में असुर वृत्ति के नाश हेतु संगठन ही सबसे बड़ी शक्ति है। संघ की स्थापना 1925 में सद् शक्तियों के संगठन और सनातन संस्कृति के रक्षण हेतु पूज्य हेडगेवार ने नागपुर में की।आज संघ अपने 100 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। निष्ठावान स्वयंसेवकों की त्याग और तपस्या के सुखद परिणाम हम देश समाज जीवन में देख पा रहें है।

विश्व गुरु भारत का इतिहास बदल दिया गया और हमे विकृत इतिहास पढ़ाया गया। हमारे देश मे कभी गंदगी नही हुआ करती थी लेकिन आज की स्थिति है कि स्वछता अभियान चलाने पड़ रहे हैं use and throw के चलन से गंदगी के ढ़ेर लगे हुए हैं।तुलसी की उपयोगिता होने के बावजूद भी मनी प्लांट घर घर पहुँचा, जिसमें हमारी वनस्पति जाल नष्ट करने की योजना थी।आजादी के बाद तीन धर्म थे हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई लेकिन बाद में सिख, जेन,बोद्ध मत पंथ बनाये अथार्त हमारे धर्म को तोड़ने का प्रयास किया गया। यह जानकारी संघ के जिला प्रचार प्रमुख तुषार उपाध्याय ने दी।

## महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय डेरिया फला स्कूल में लगेगा आरों प्लांट, भामाशाह ने दिये 60 हज़ार

**सागवाडा।** गांवों में अंग्रेज़ी माध्यम स्कूल खोलने में जहाँ सरकार भी तत्परता दिखा रही है वहीं अब उन्हीं स्कूलों के विकास के लिए भामाशाह भी आगे आ रहे हैं। हाल ही में महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय बनी डेरिया फला स्कूल में भामाशाह की ओर भामाशाह की ओर से शुद्ध पेयजल के लिए 60 हज़ार रुपया नगद दिये गये । वांदरवेड के पूर्व उप सरपंच हितेश पाटीदार ने बताया कि सदैव परोपकार व विद्यार्थियों के हित में तत्पर रहने वाले, सहयोग की भावना रखने वाले सागवाड़ा के बोहरा समुदाय के अज़ीज़ पेश व मन्नाव सगीर की ओर से महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय डेरिया फला में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ व शुद्ध पेयजल के लिए आरो फिल्टर प्लांट लगाने 60 हज़ार की राशि विद्यालय परिवार को नकद दी गई। एसएमसी अध्यक्ष महेंद्र रोत व संस्था प्रधान जुली व्यास ने बताया कि शीघ्र ही विद्यालय में आरो प्लांट लग जायेगा। इससे विद्यार्थियों को शुद्ध व स्वच्छ फिल्टर जल का लाभ मिलेगा।वि विद्यालय के स्टाफ़ ने सदैव गांव के हित व विकास में तत्पर रहने वाले हितेश पाटीदार व गामठवाडा के मुकेश भट्ट के अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया । मौके पर एसएमसी अध्यक्ष महेंद्र रोत, गांव के ताजू भाई ,वासुदेव, जगजी पाटीदार, हितेश जोशी, जयेश जोशी, रामनारायण श्रीमाली, जितेन्द्र सुथार, कविता पाटीदार, संगीता पाटीदार अन्य लोग उपस्थित रहे।

## छात्रसंघ चुनाव के लिए 13 उम्मीदवार मैदान में

**सागवाड़ा।** स्वर्गीय भीखा भाई भील राजकीय महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव को लेकर निर्धारित तिथि एवं समय पर नाम वापसी के बाद अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र पाटीदार ने बताया कि अध्यक्ष पद हेतु चार, उपाध्यक्ष हेतु तीन, महासचिव हेतु तीन एवं संयुक्त सचिव हेतु तीन उम्मीदवार हैं। अध्यक्ष पद के लिए अशोक डेण्डोर, नरेश डामोर, पायल खांट व शीला डामोर, उपाध्यक्ष के लिए अश्विन डामोर, शिल्पा डामोर व सुनील कटारा चुनाव लड़ेंगे।

# निलंबन की कार्रवाई को लेकर पटवारियों में रोष, तीन दिन में निलंबन वापस लेने की माँग

## राजस्थान राजस्व मंडल सेवा परिषद उप शाखा सागवाड़ा ने सौंपा उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

**सागवाड़ा।** कडाणा विभाग की भूमि का नामांतरण खोलने और रजिस्ट्री करने के मामले में डूंगरपुर कलेक्टर द्वारा की गई निलंबन की कार्रवाई को लेकर मंगलवार को सागवाडा क्षेत्र के पटवारियों ने विरोध दर्ज कराया।

पटवारियों का कहना था कि इस पूरे प्रकरण में तहसीलदार गिरदावर और पटवारी ने जो कार्रवाई की उच्चाधिकारियों के निर्देश पर की थी इसके बाद भी उनके ख़िलाफ़ निलंबन की कार्रवाई की गई। डूंगरपुर जिले के सागवाडा उपखंड अंतर्गत राजस्व विभाग के अधिकारियों को जिला कलेक्टर के द्वारा निलंबित करने के मामले को लेकर राजस्थान राजस्व

सेवा परिषद उप शाखा सागवाड़ा ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी रामचंद्र खटीक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश खोडनिया के नाम ज्ञापन सौंपकर बताया कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। निर्दोष अधिकारियों के खिलाफ जो कार्रवाई की गई है यह सरासर गलत है और अगर 3 दिन के भीतर इस पर संज्ञान नहीं लिया गया तो पटवार मंडल हड़ताल पर उतर आएगा। आपको बता दें कि इस पूरे मामले को लेकर सोशल मीडिया पर मैसेज वायरल हो रहे हैं कि इसमें उच्च अधिकारी भी संलिप्त हैं और कई बड़े राजनेता भी संलिप्त हैं ऐसे में इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

## फर्जी लेटर से लगाकर रजिस्ट्री तक पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच हो - सांसद कटारा

## भाजपा की प्रेस वार्ता में कांग्रेस पर भाजपा के विकास कार्यो को ध्वस्त करने का आरोप

**सागवाड़ा।** नगर पालिका सागवाड़ा का वर्तमान कांग्रेस बोर्ड सिर्फ और सिर्फ भाजपा के विकास कार्यो को ध्वस्त करने का काम कर रहा है। यह बात बांसवाड़ा डूंगरपुर सांसद कनकमल कटारा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पालिकाध्यक्ष 500 करोड की घोषणा कर 100 करोड़ की योजनाएं गिना रहे है जबकि सागवाड़ा में पूर्व के भाजपा बोर्ड द्वारा किए गए विकास कार्यो को ध्वस्त करने के अलावा कोई काम ही नही हुए है। कटारा ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस बोर्ड द्वारा विकास के नाम पर पालिका परिसर में पिछले बोर्ड में ही बने भवन को गिरा कर सरकारी सम्पत्ति का नुकसान किया है वहीं नए पालिका भवन निर्माण की योजना के बिना भवन को गिरा कर अपने रिश्तेदार की बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया। उसी तरह पुनर्वास कॉलोनी में श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्यान व कोर्ट के पास स्थित डॉ. नागेंद्र सिंह पार्क को ध्वस्त कर दिया है। कटारा ने सागवाड़ा में कडाणा विभाग की जमीन का नामांतरण खोलकर रजिस्ट्री मामले में निलंबित अधिकारियों को लेकर कहा कि कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है और अधिकारी बड़े नेताओं व राज के दबाव में काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि शासन सचिव के फर्जी लेटर से लगाकर रजिस्ट्री तक पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। उन्होंने उदयपुर में कन्हैयालाल हत्या काण्ड की बात करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है प्रदेश में हत्याएं, बलात्कार, भ्रष्टाचार व महिलाओं से छेड़छाड़ के मामलो में बढोत्तरी हुई है।

# पशु बाड़े में फंदे से लटका मिला युवक का शव

**डूंगरपुर।** डूंगरपुर के बिछीवाडा थाना क्षेत्र के ओडाबड़ा फला डोली में एक युवक ने फंदे पर लटककर सुसाइड कर लिया। युवक सोमवार रात को शराब पीकर घर पहुंचा और घर वालों से झगड़ा करने लगा। जिसके बाद वह पशुओं के बाड़े में चला गया।बिछीवाडा थानाधिकारी रणजीत सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के ओडाबड़ा फला डोली निवासी अनिल (45) पुत्र कालू डामोर शराब के नशे में आए दिन घर वालों से झगड़ा किया करता था। सोमवार रात को अनिल डामोर शराब पीकर घर आया और शराब के नशे में घरवालों से झगड़ा करने लगा। जिसके बाद उसने बाड़े में बंधे जानवरों को खोलकर भगा दिया और वहीं सो गया। मंगलवार सुबह जब परिजन उठे तो अनिल बांडे में अपनी पत्नी की साड़ी से फंदे पर लटका मिला। ग्रामीणों ने मामले की सूचना बिछीवाडा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर बिछीवाडा थाने के कनबा पुलिस चौकी प्रभारी पोपटलाल मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।